

हिंदी काव्य (पद्य) साहित्य का विकास

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. हिन्दी साहित्य के आदिकाल के लिए 'सिद्ध सामन्तकाल' नाम दिया है-

(अ) राहुल सांकृत्यायन ने

(ब) रामचन्द्र शुक्ल ने

(स) रामकुमार वर्मा ने



ज्ञानम् मनुष्यस्य तृतीय नेत्रम् ।। * ।।

(द) डॉ० नगेन्द्र ने।

2. वीरगाथाकाल की विशेषता है-

(अ) नारी का रूप सौन्दर्य चित्रण

(ब) प्रकृति-चित्रण

(स) युद्धों का सजीव चित्रण

(द) मुक्तक काव्य ।

★ || ज्ञानम् मनुष्यस्य तृतीय नेत्रम् || ★

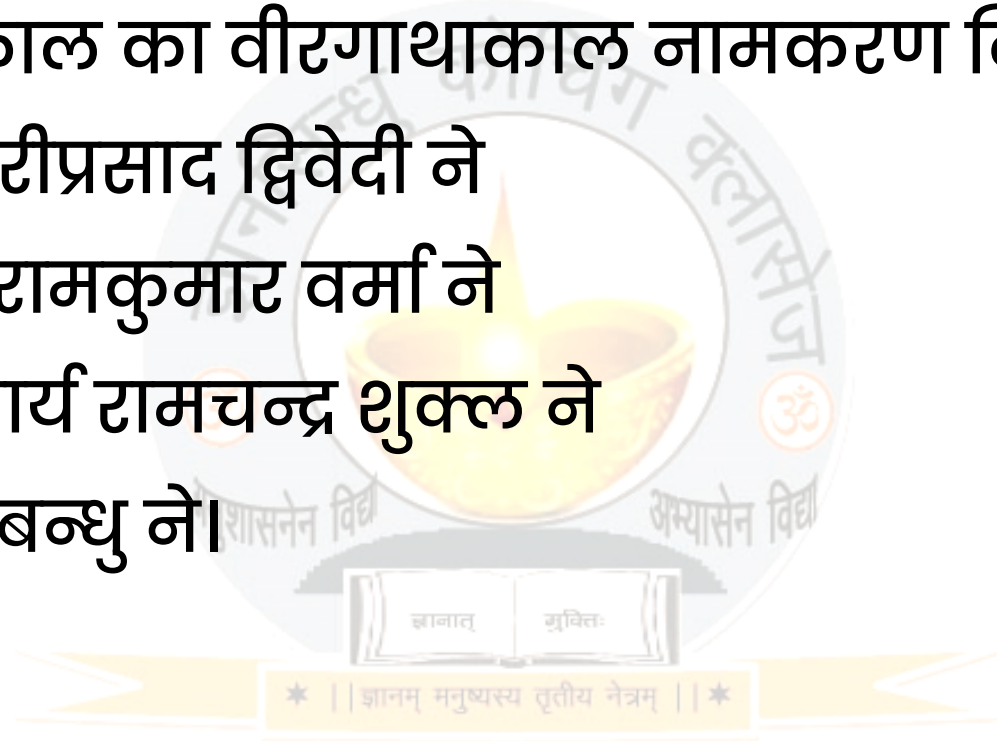
3. आदिकाल का वीरगाथाकाल नामकरण किया-

(अ) हजारीप्रसाद द्विवेदी ने

(ब) डॉ० रामकुमार वर्मा ने

(स) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने

(द) मिश्रबन्धु ने।



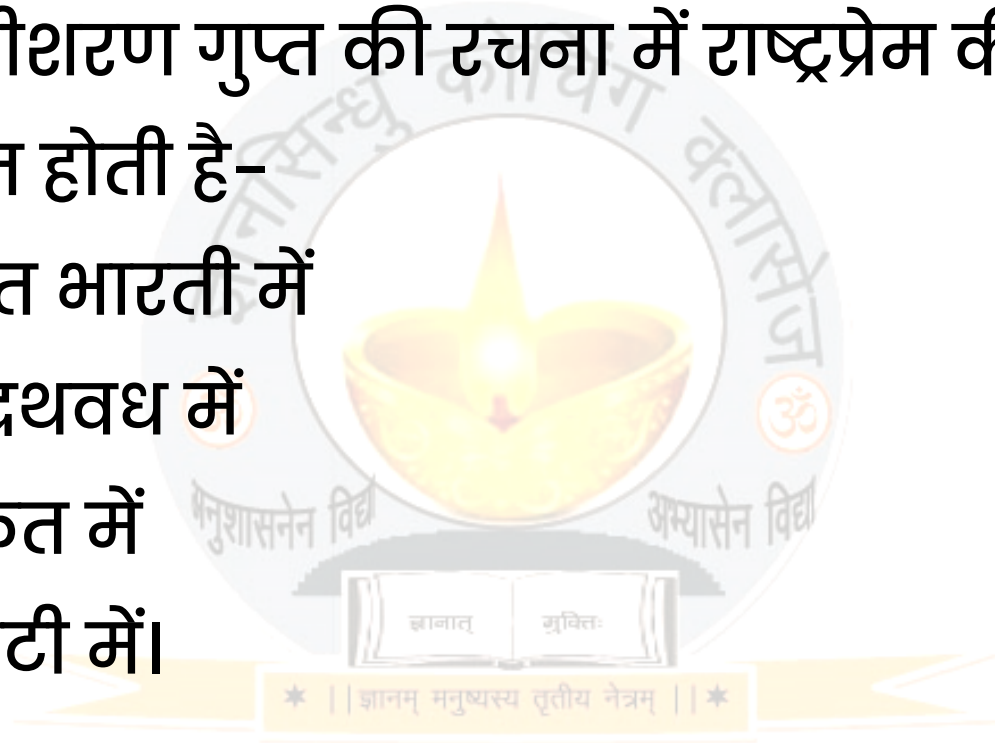
4. मैथिलीशरण गुप्त की रचना में राष्ट्रप्रेम की भावना परिलक्षित होती है-

(अ) भारत भारती में

(ब) जयद्रथवध में

(स) साकेत में

(द) पंचवटी में।



5. 'सूरसागर' के वर्ण्य विषय का आधार है—

(अ) श्रीमद्भागवत

(ब) विष्णुपुराण ॐ

(स) केनोपनिषद्

(द) मनुस्मृति ।

★ || ज्ञानम् मनुष्यस्य तृतीय नेत्रम् || ★

6. 'लहर' के रचनाकार हैं-

(अ) जयशंकरप्रसाद

(ब) गिरिजाकुमार माथुर

(स) हरिवंशराय बच्चन

(द) सुमित्रानन्दन पन्त ।

* || ज्ञानम् मनुष्यस्य तृतीय नेत्रम् || *

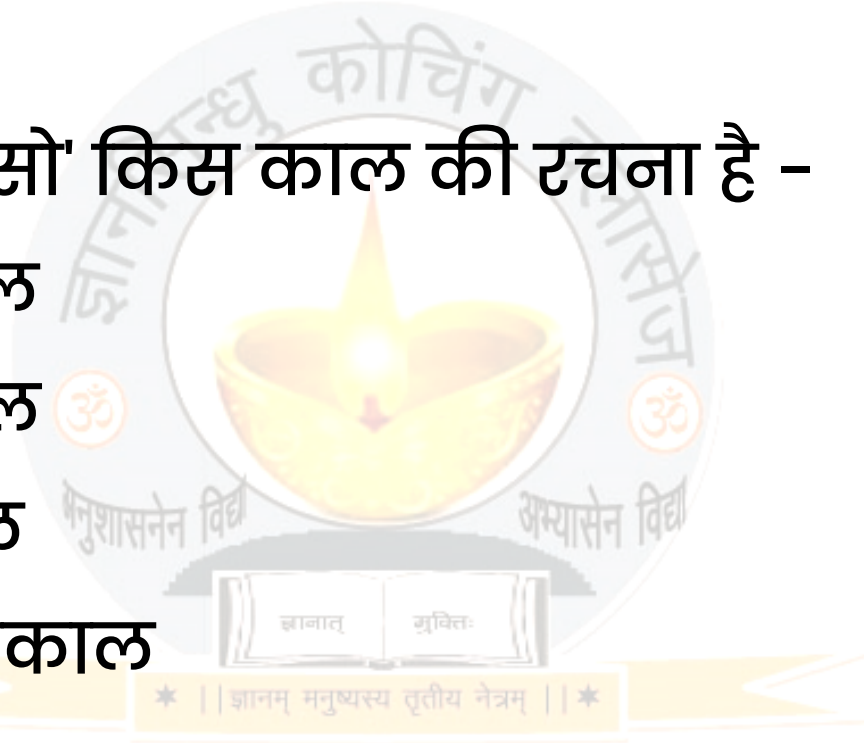
7. 'परमाल रासो' किस काल की रचना है -

(अ) आदिकाल

(ब) भक्तिकाल

(स) रीतिकाल

(द) आधुनिककाल



8. 'पृथ्वीराज रासो की रचना किस व्यक्ति ने की—

(अ) जायसी

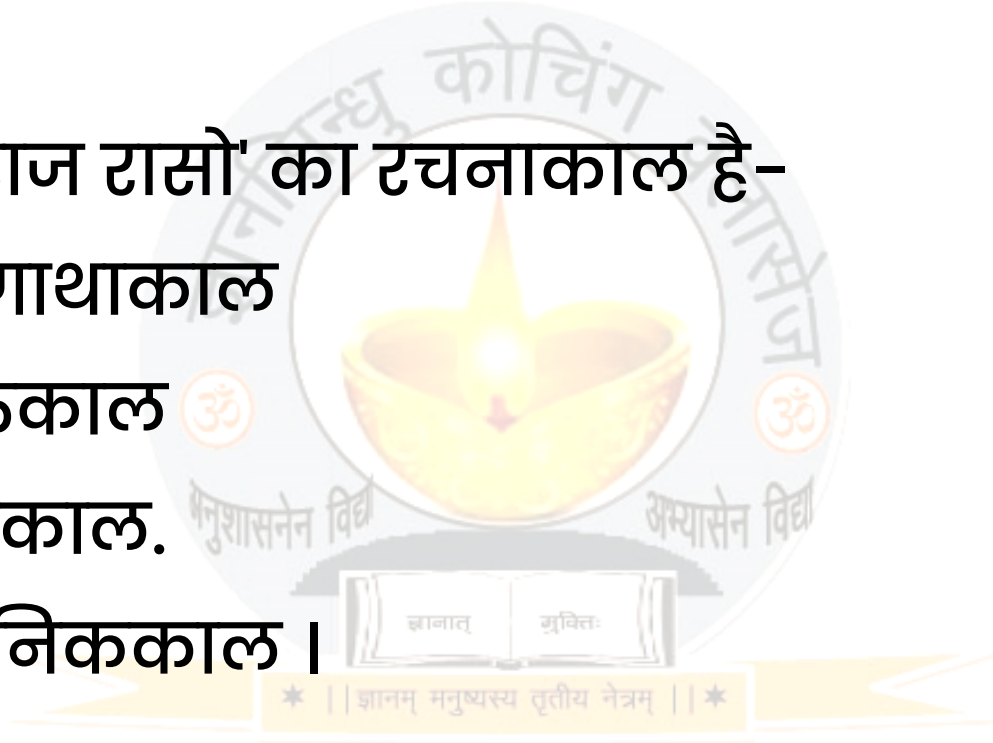
(ब) मंझन

(स) कुतुबन

(द) चन्दबरदाई



9. 'पृथ्वीराज रासो' का रचनाकाल है-
- (अ) वीरगाथाकाल
 - (ब) भक्तिकाल
 - (स) रीतिकाल.
 - (द) आधुनिककाल ।



10. वीरगाथाकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों में से निम्नलिखित कौन-सी प्रवृत्ति सही नहीं है-

(अ) युद्धों का सजीव वर्णन

(ब) राष्ट्रीयता की भावना

(स) आश्रयदाताओं की प्रशंसा

(द) कल्पना की प्रचुरता।

11. 'बीसलदेव रासो' के रचयिता हैं-

(अ) देवसेन

(ब) नरपति नाल्ह

(स) विजयसेन सूरि

(द) जिनदत्त सूरि।



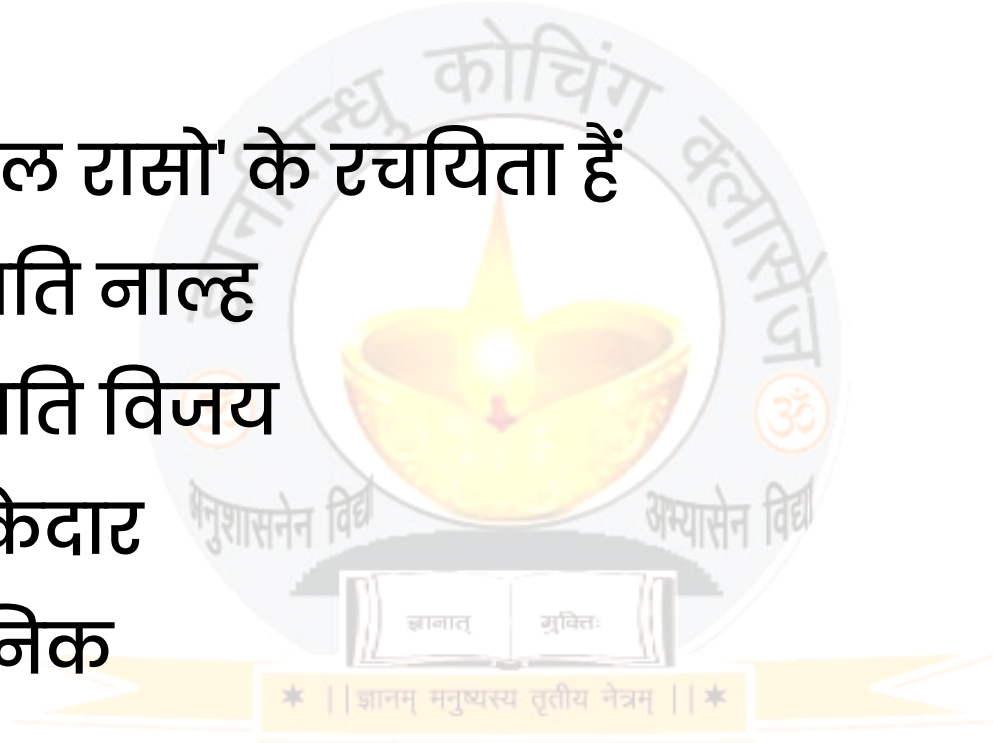
12. 'परमाल रासो' के रचयिता हैं

(अ) नरपति नाल्ह

(ब) दलपति विजय

(स) भट्टकेदार

(द) जगनिक



13. 'अमीर खुसरो' कवि हैं-

(अ) आदिकाल के

(ब) भक्तिकाल के

(स) रीतिकाल के

(द) आधुनिककाल के।

* || ज्ञानम् मनुष्यस्य तृतीय नेत्रम् || *

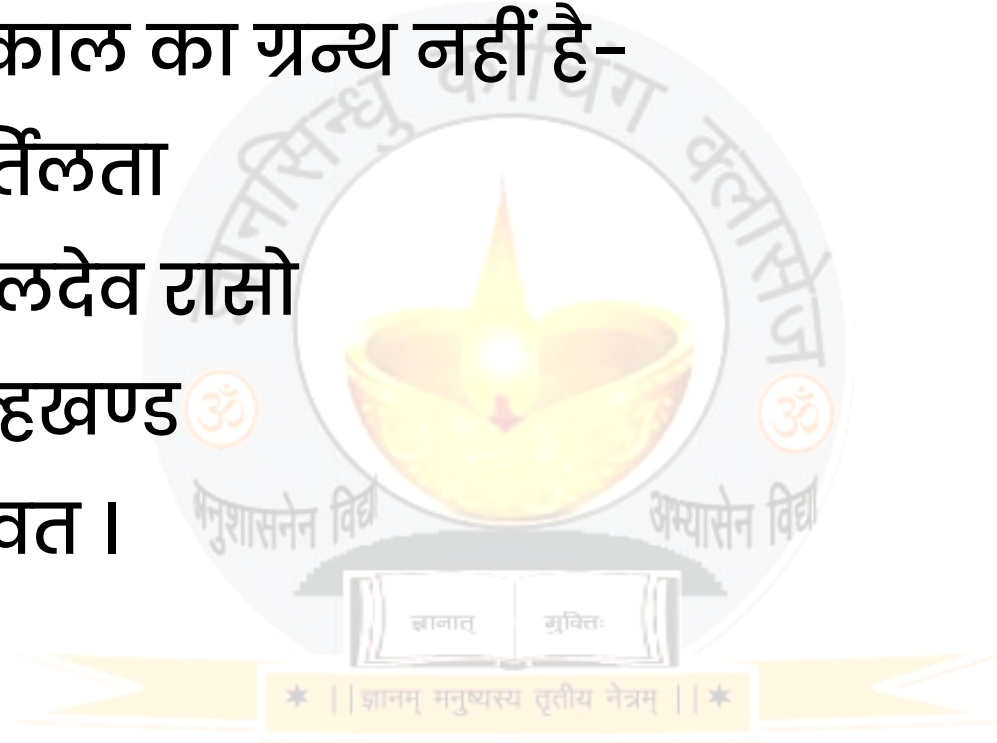
14. आदिकाल का ग्रन्थ नहीं है-

(अ) कीर्तिलता

(ब) बीसलदेव रासो

(स) आल्हखण्ड ॐ

(द) पद्मावत ।



15. 'जयमयंक जस चन्द्रिका' के रचयिता हैं-

(अ) भट्टकेदार

(ब) नरपति नाल्ह

(स) मधुकर कवि

(द) विद्यापति



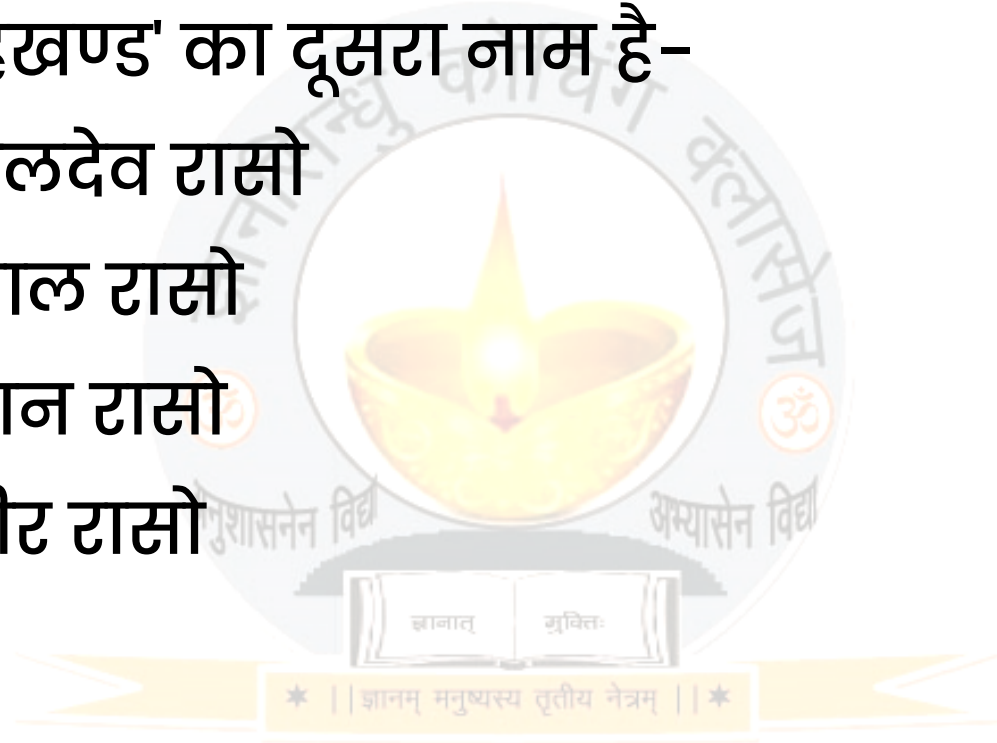
16. 'आल्हखण्ड' का दूसरा नाम है-

(अ) बीसलदेव रासो

(ब) परमाल रासो

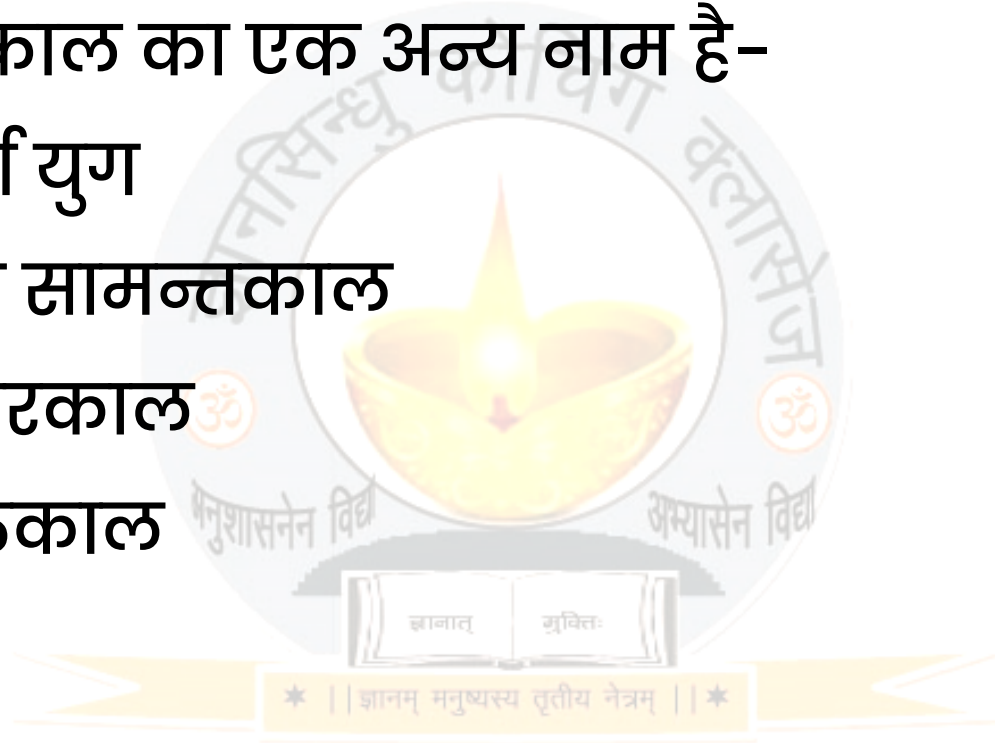
(स) खुमान रासो

(द) हम्मीर रासो



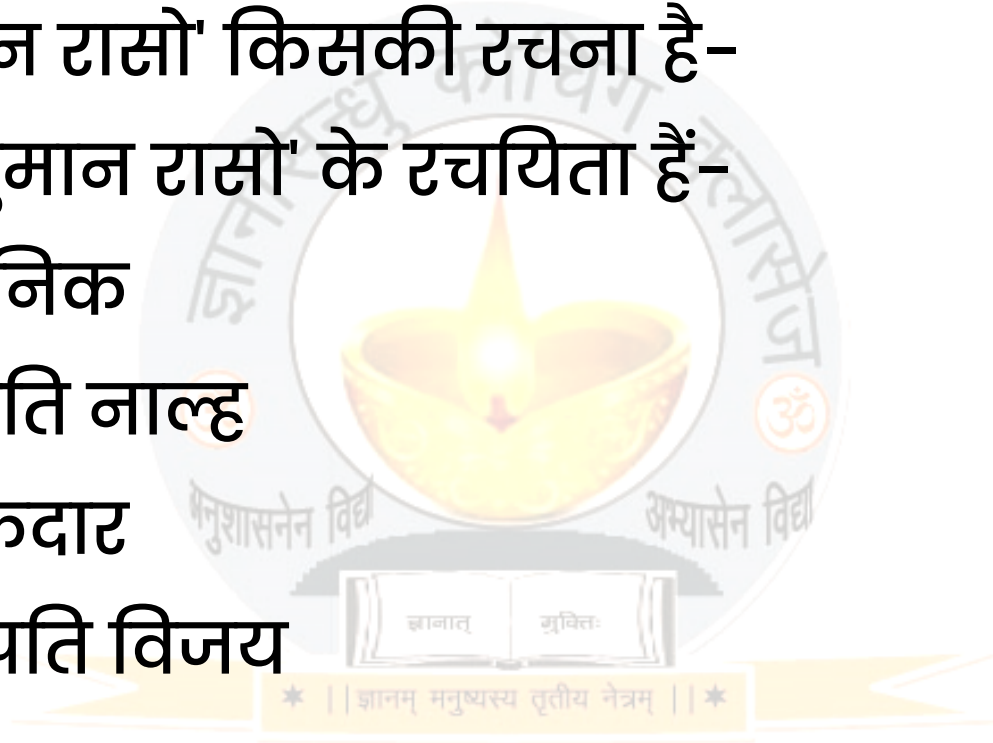
17. आदिकाल का एक अन्य नाम है-

- (अ) स्वर्ण युग
- (ब) सिद्ध सामन्तकाल
- (स) श्रृंगारकाल
- (द) भक्तिकाल



18. 'खुमान रासो' किसकी रचना है-
अथवा 'खुमान रासो' के रचयिता हैं-

- (अ) जगनिक
- (ब) नरपति नाल्ह
- (द) भट्टकेदार
- (स) दलपति विजय



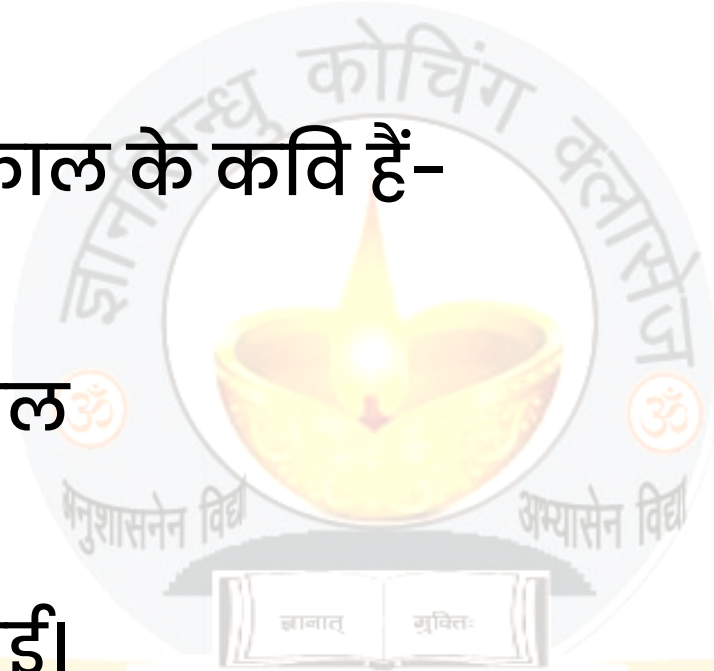
19. वीरगाथाकाल के कवि हैं-

(अ) भूषण

(ब) विहारीलाल ॐ

(स) केशव

(द) चन्दबरदाई



* || ज्ञानम् मनुष्यस्य तृतीय नेत्रम् || *

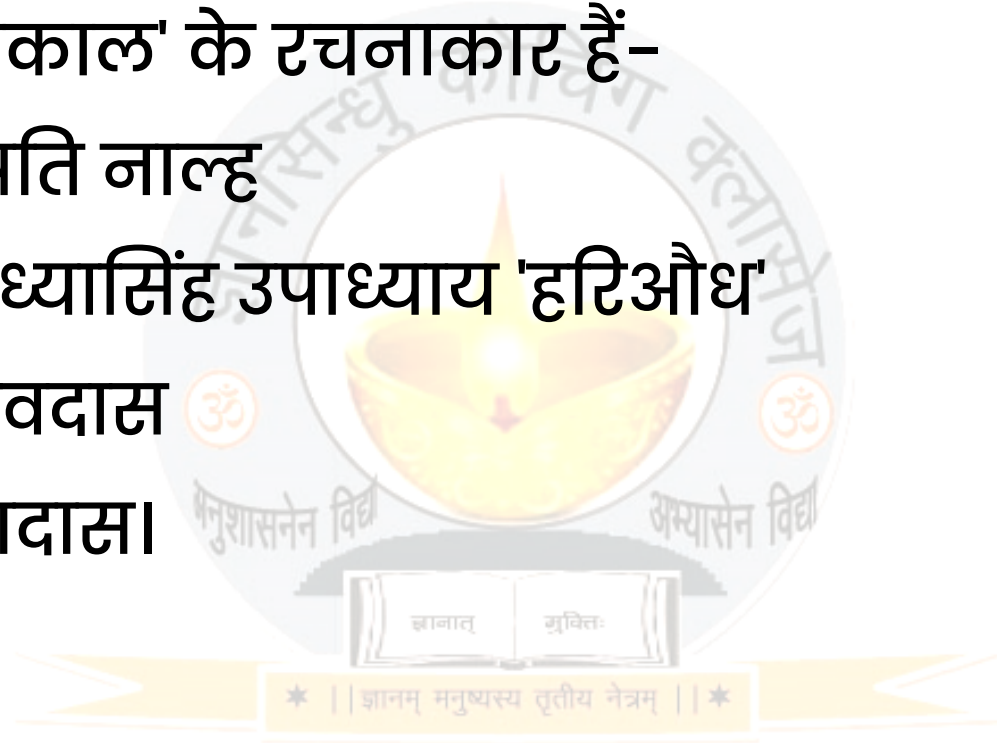
20. 'आदिकाल' के रचनाकार हैं-

(अ) नरपति नाल्ह

(ब) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

(स) केशवदास

(द) नाभादास।



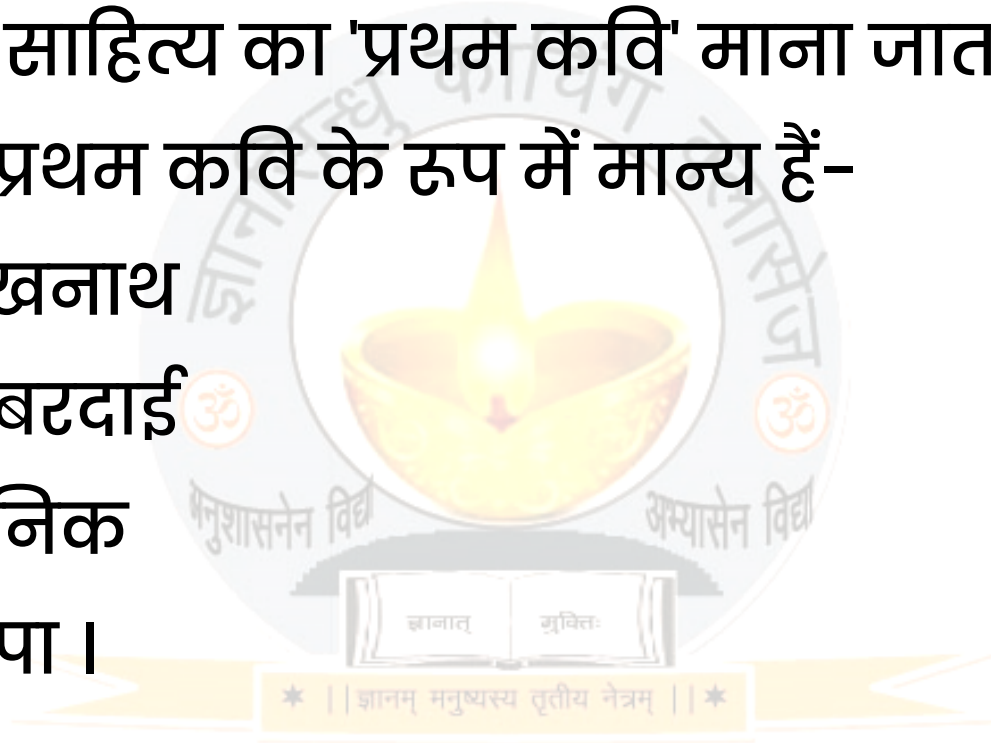
21. हिन्दी साहित्य का 'प्रथम कवि' माना जाता है- अथवा
हिन्दी के प्रथम कवि के रूप में मान्य हैं-

(अ) गोरखनाथ

(ब) चन्दबरदाई

(स) जगनिक

(द) सरहपा ।



22. चन्दबरदाई की रचना है-

(अ) पृथ्वीराज रासो

(ब) खुमान रासो

(स) 'राउल वेल

(द) जयमयंक जस- चन्द्रिका ।

23. हिन्दी साहित्य के आदिकाल' के लिए 'बीजवपनकाल'
नाम दिया है-

(अ) रामचन्द्र शुक्ल ने

(ब) डॉ० रामकुमार वर्मा ने

(स) आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी ने

(द) डॉ० मोहन अवस्थी ने

★ || ज्ञानम् मनुष्यस्य तृतीय नेत्रम् || ★

24. अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' की रचना है-

(अ) वैदेही वनवास

(ब) यशोधरा

(स) लहर

(द) गुंजना



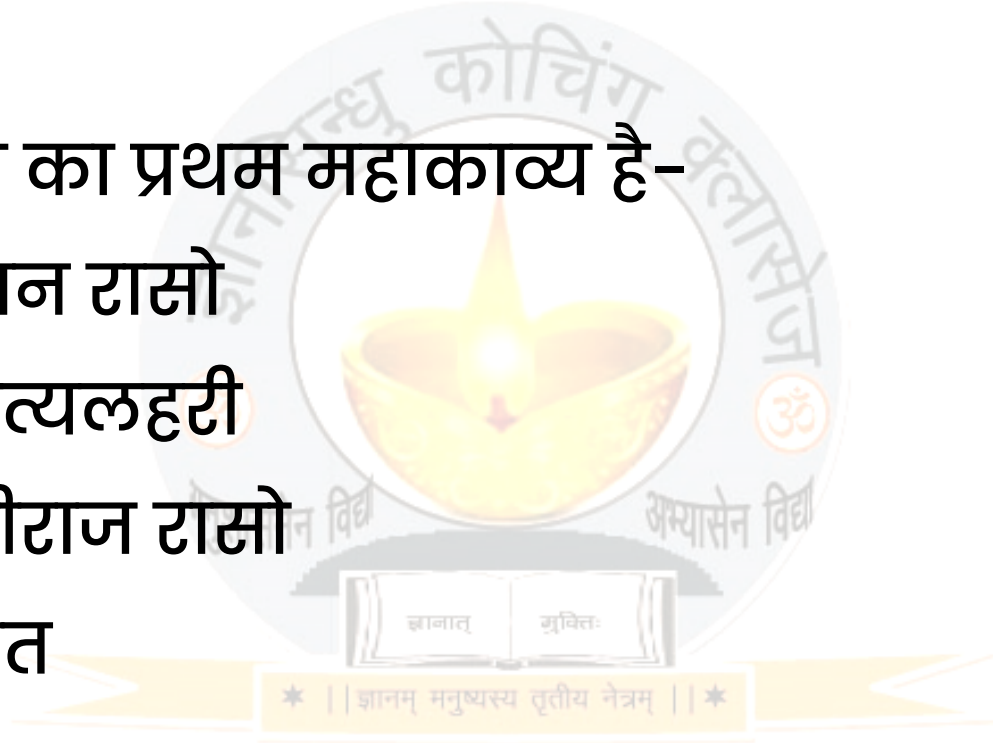
25. हिन्दी का प्रथम महाकाव्य है-

(अ) खुमान रासो

(ब) साहित्यलहरी

(स) पृथ्वीराज रासो

(द) साकेत



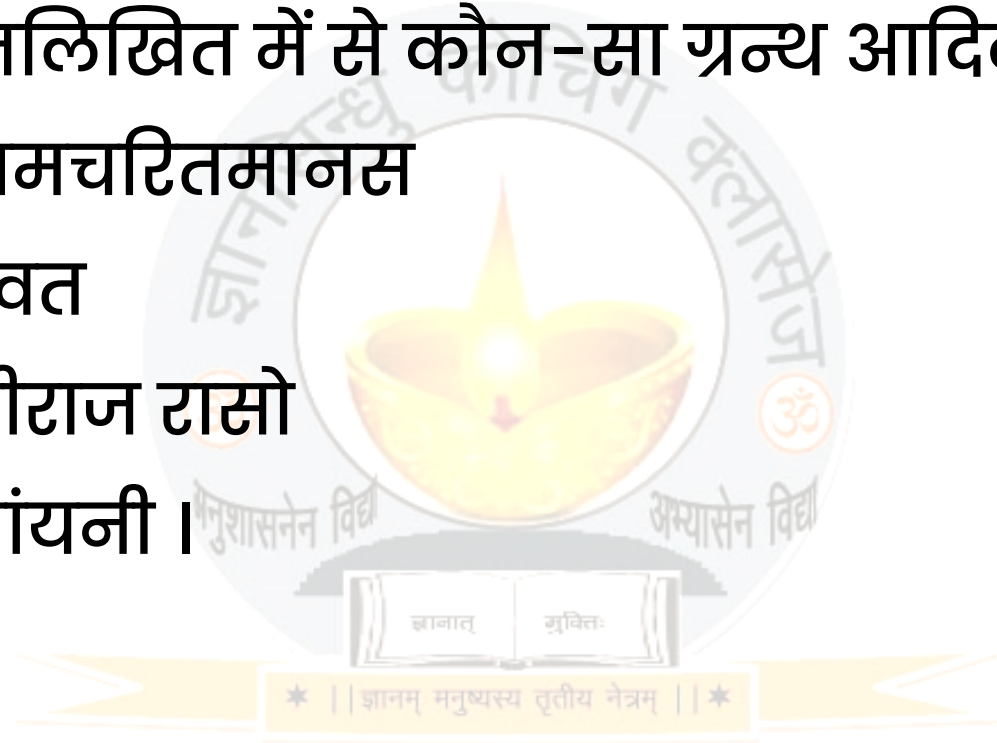
26. निम्नलिखित में से कौन-सा ग्रन्थ आदिकाल का है

(अ) श्रीरामचरितमानस

(ब) पद्मावत

(स) पृथ्वीराज रासो

(द) कामांयनी ।



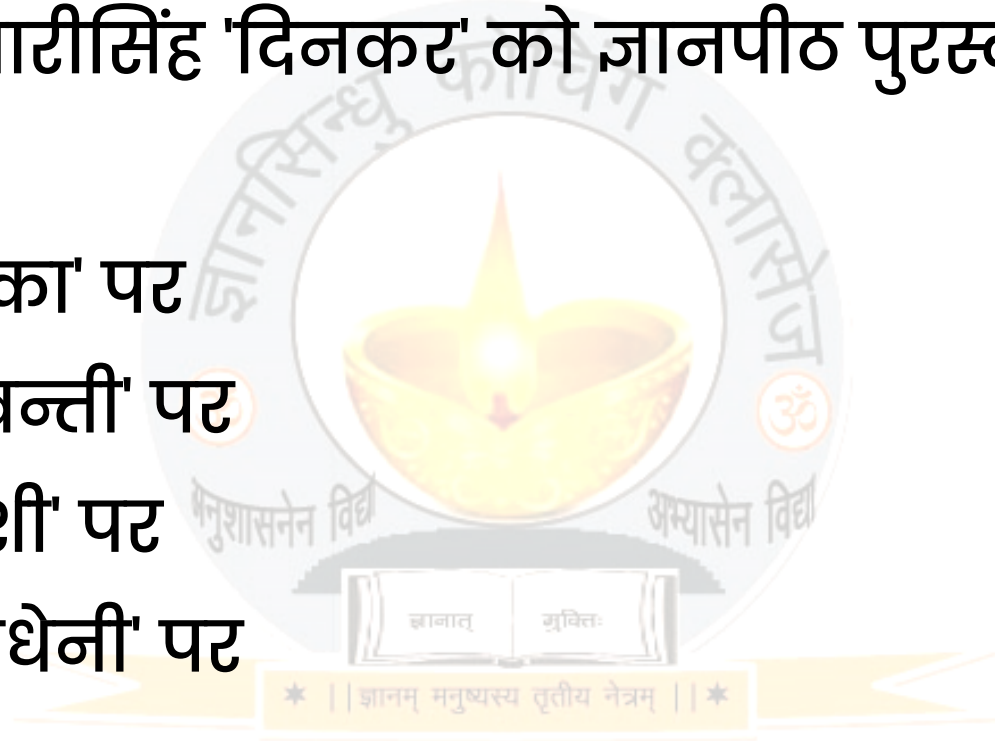
27. रामधारीसिंह 'दिनकर' को ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला था -

(अ) 'रेणुका' पर

(ब) 'रसवन्ती' पर

(स) 'उर्वशी' पर

(द) 'सामधेनी' पर



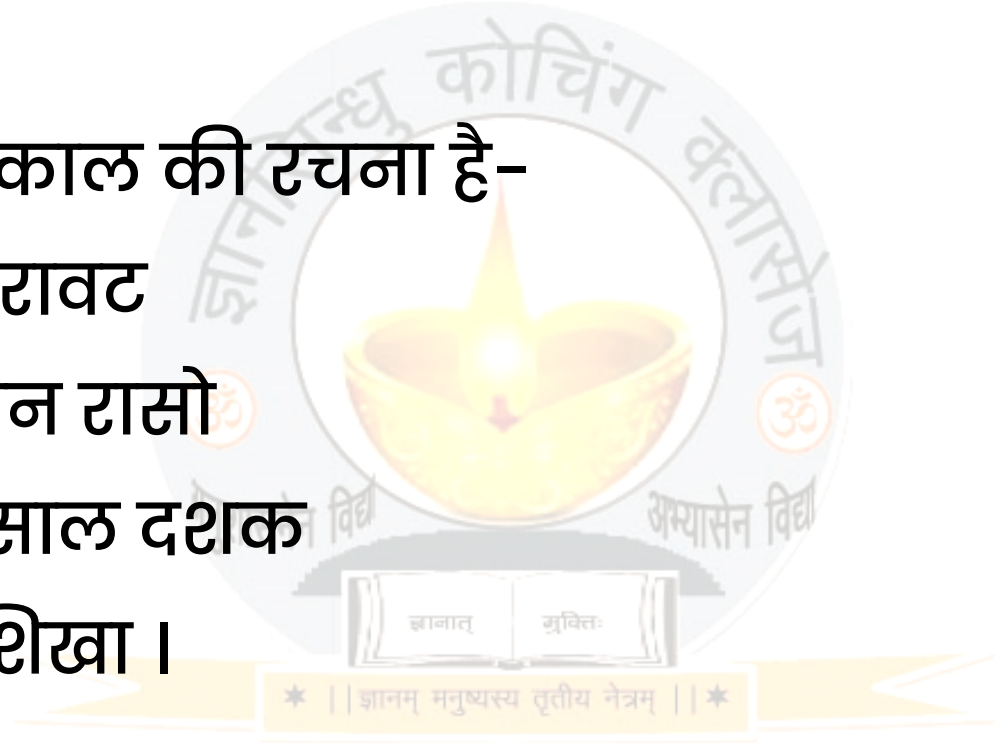
28. आदिकाल की रचना है-

(अ) अखरावट

(ब) खुमान रासो

(स) छत्रसाल दशक

(द) दीपशिखा ।



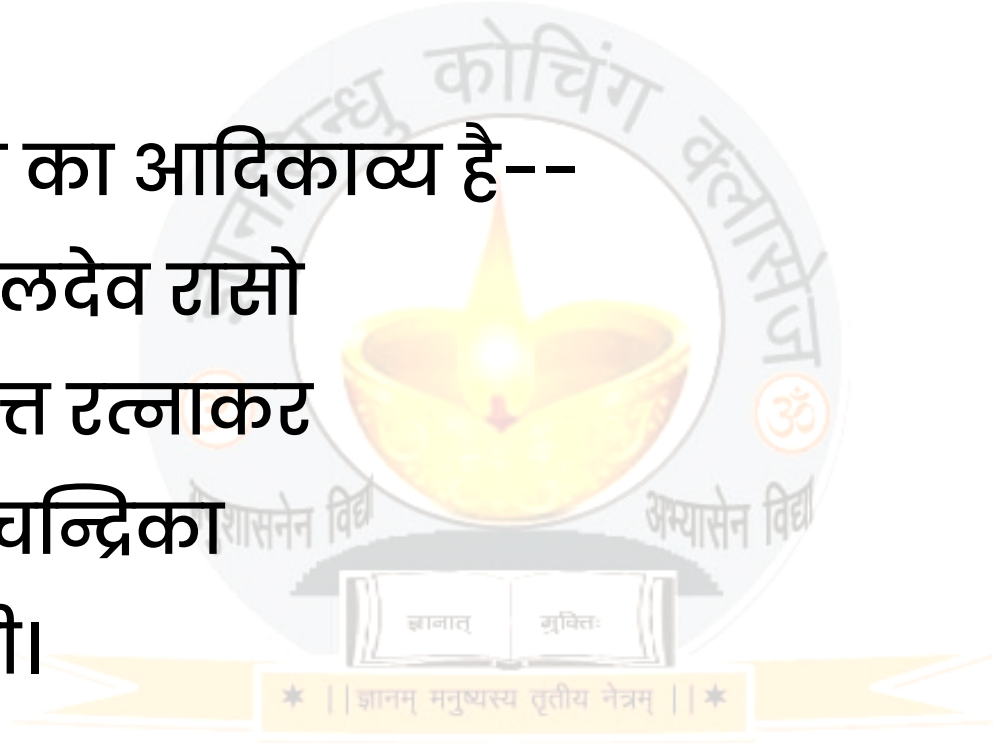
29. हिन्दी का आदिकाव्य है--

(अ) बीसलदेव रासो

(ब) कवित्त रत्नाकर

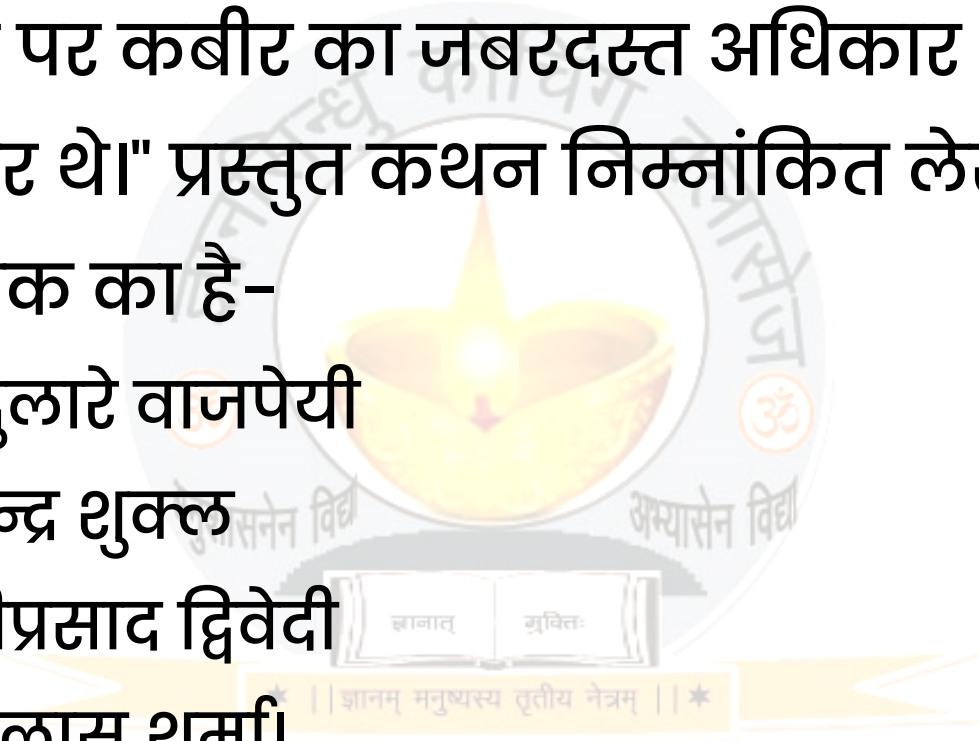
(स) रामचन्द्रिका

(द) साखी।



30. "भाषा पर कबीर का जबरदस्त अधिकार था। वे वाणी के डिक्टेटर थे।" प्रस्तुत कथन निम्नांकित लेखकों में से किस लेखक का है-

- (अ) नन्ददुलारे वाजपेयी
- (ब) रामचन्द्र शुक्ल
- (स) हजारीप्रसाद द्विवेदी
- (द) रामविलास शर्मा



31. "हिन्दी साहित्य के हजार वर्षों में कबीर जैसा व्यक्तित्व लेकर कोई लेखक उत्पन्न नहीं हुआ।" यह कथन है-

(अ) रामचन्द्र शुक्ल का

(ब) डॉ० रामकुमार वर्मा का

(स) डॉ० नगेन्द्र का

(द) हजारीप्रसाद द्विवेदी का।

32. निम्नलिखित में से कौन भक्तिकाल का महाकाव्य है

(अ) साकेत

(ब) श्रीरामचरितमानस

(स) कामायनी

(द) पृथ्वीराज रासो ।

★ ।। ज्ञानम् मनुष्यस्य तृतीय नेत्रम् ।। ★

33. रामचन्द्र शुक्ल ने 'मध्यकाल' का समय माना है-
अथवा भक्तिकाल का समय आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने
माना है-

(अ) सं० 1050 से सं० 1700 तक

(ब) सं० 1218 से सं० 1800 तक

(स) सं० 1375 से सं० 1700 तक

(द) सं० 1100 से सं० 1900 तक।

34. कविता में चार चाँद लगानेवाली शक्ति है-

(अ) अभिधा

(ब) लक्षणा

(स) व्यंजना

(द) तात्पर्या



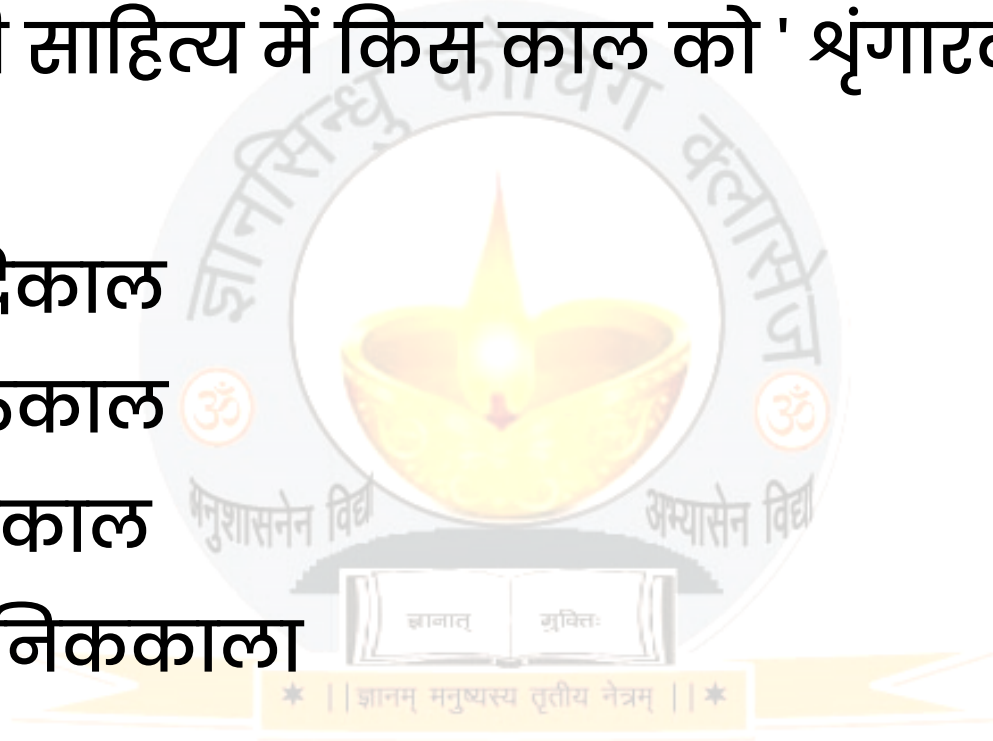
35. हिन्दी साहित्य में किस काल को ' शृंगारकाल' कहा जाता है-

(अ) आदिकाल

(ब) भक्तिकाल

(स) रीतिकाल

(द) आधुनिककाल



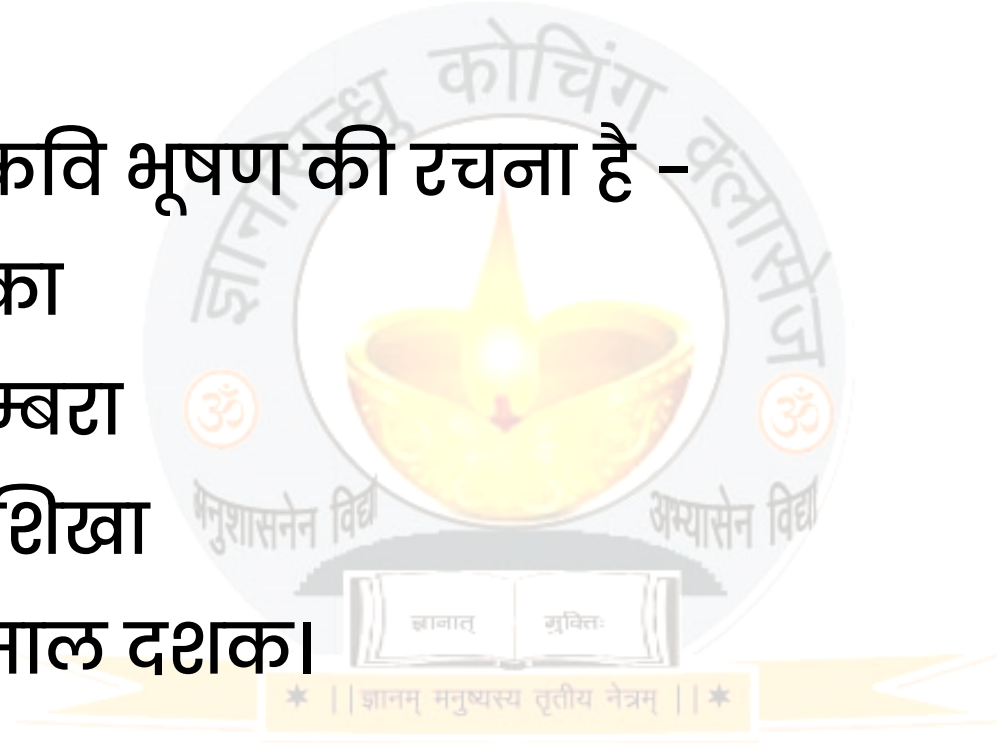
36. महाकवि भूषण की रचना है -

(अ) रेणुका

(ब) चिदम्बरा

(स) दीपशिखा

(द) छत्रसाल दशक।



37. कौन-सी रचना भूषण की नहीं है-

(अ) शिवा बावनी

(ब) छत्रसाल दशक

(स) शिवराज भूषण

(द) रामचन्द्रिका ।

★ ।। ज्ञानम् मनुष्यस्य तृतीय नेत्रम् ।। ★

38. हिन्दी साहित्य के आदिकाल के लिए चारण-काल' नाम दिया है-

(अ) राहुल सांकृत्यायन ने

(ब) रामचन्द्र शुक्ल ने

(स) रामकुमार वर्मा ने

(द) डॉ० नगेन्द्र ने।

★ || ज्ञानम् मनुष्यस्य तृतीय नेत्रम् || ★

39. अग्रदास किस काव्यधारा के कवि हैं-

(अ) कृष्ण काव्यधारा के

(ब) सूफी काव्यधारा के

(स) वीर काव्यधारा के

(द) राम काव्यधारा के।

★ || ज्ञानम् मनुष्यस्य तृतीय नेत्रम् || ★

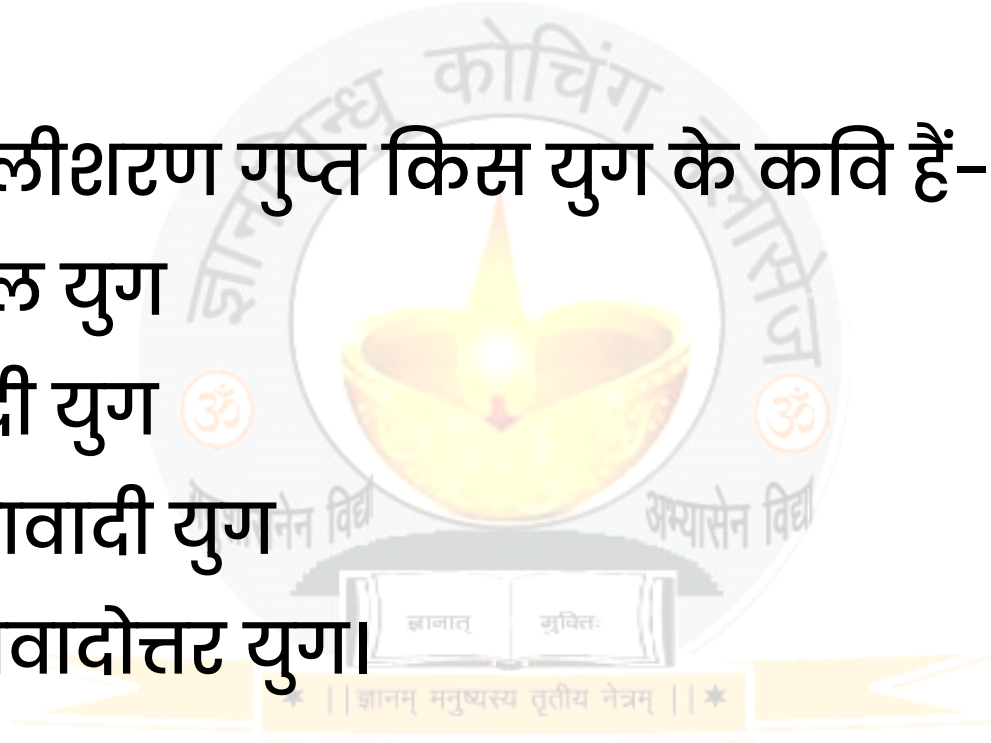
40. मैथिलीशरण गुप्त किस युग के कवि हैं-

(अ) शुक्ल युग

(ब) द्विवेदी युग

(स) छायावादी युग

(द) छायावादोत्तर युग।



41. निम्नलिखित में कौन प्रेमाश्रयी शाखा के कवि नहीं हैं-

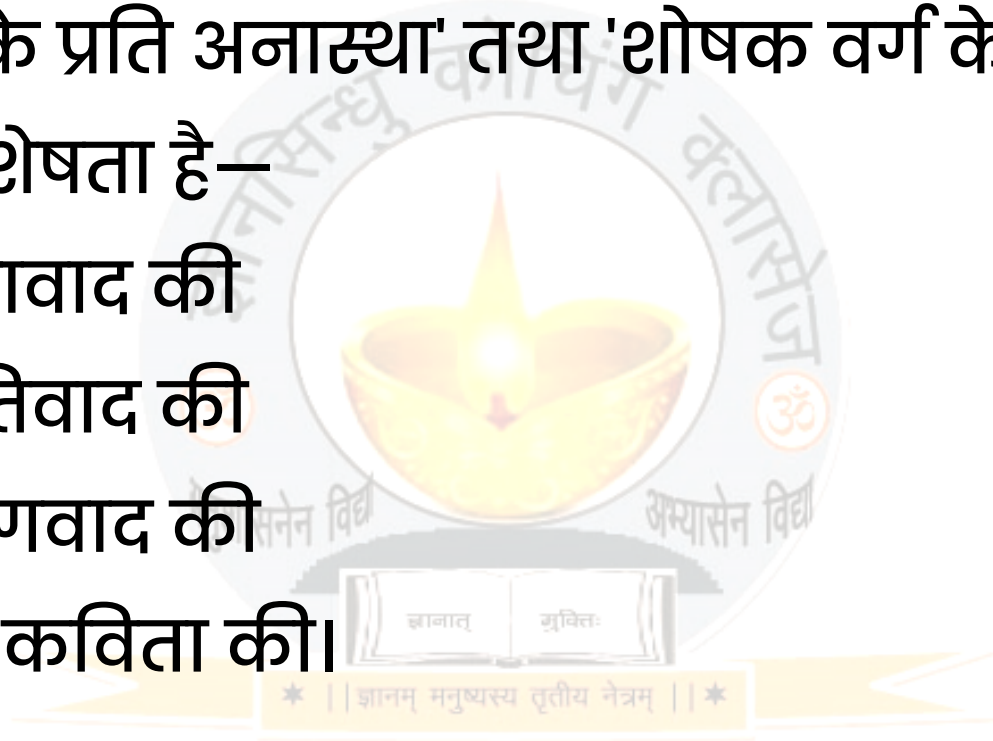
- (अ) जायसी
- (ब) सूरदास
- (स) मंझन
- (द) कुतुबन।



42. धर्म के प्रति अनास्था' तथा 'शोषक वर्ग के प्रति घृणा'

प्रमुख विशेषता है—

- (अ) छायावाद की
- (ब) प्रगतिवाद की
- (स) प्रयोगवाद की
- (द) नयी कविता की।



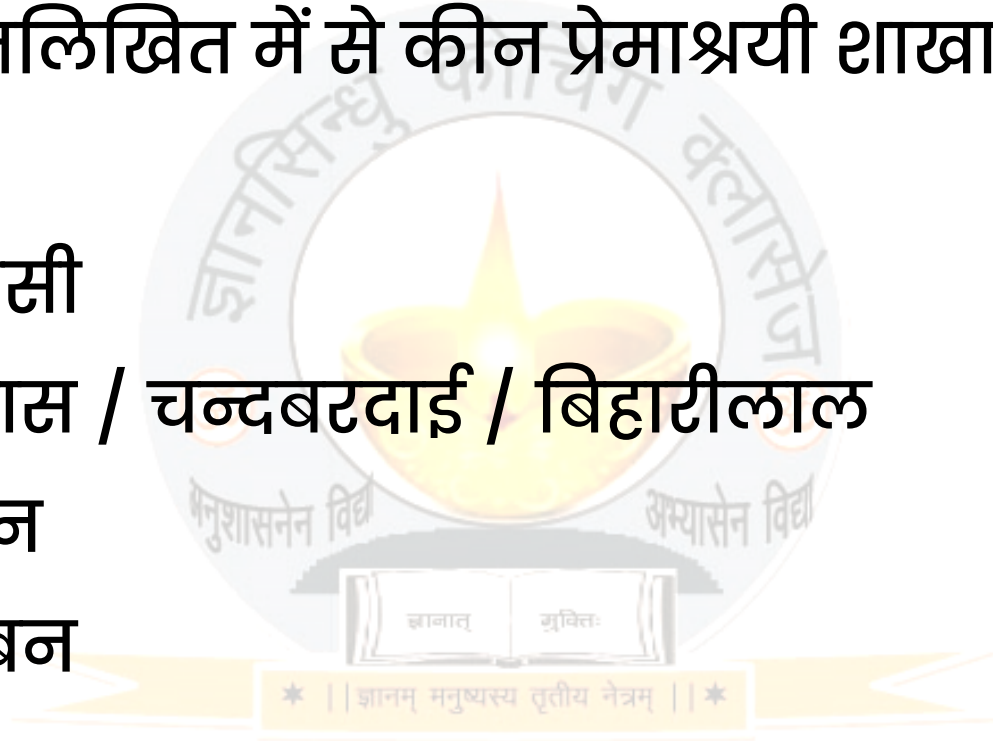
43. निम्नलिखित में से कीन प्रेमाश्रयी शाखा के कवि नहीं हैं-

(अ) जायसी

(ब) सूरदास / चन्दबरदाई / बिहारीलाल

(स) मंझन

(द) कुतुबन



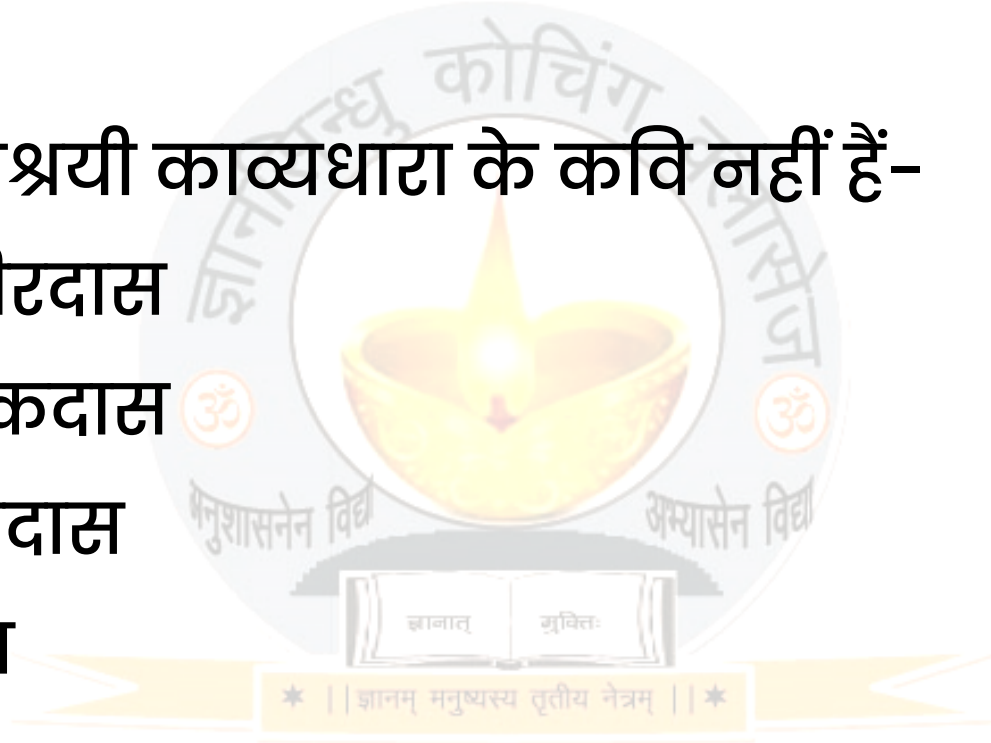
44. जानाश्रयी काव्यधारा के कवि नहीं हैं-

(अ) कबीरदास

(ब) मलूकदास

(स) नन्ददास

(द) रैदास



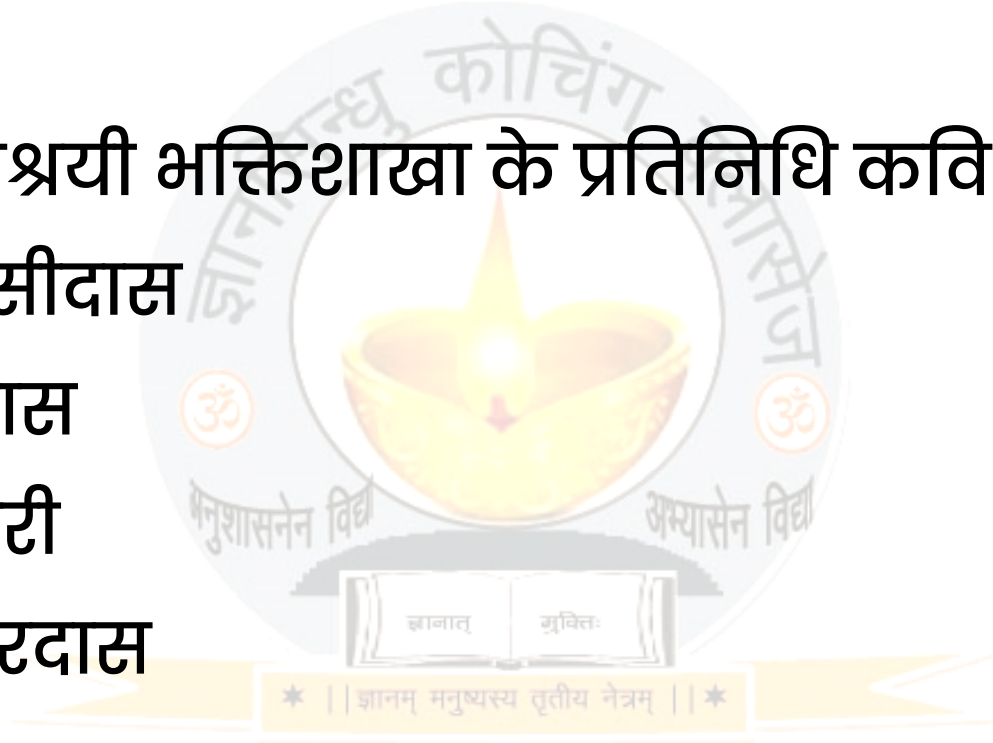
45. जानाश्रयी भक्तिशाखा के प्रतिनिधि कवि हैं-

(अ) तुलसीदास

(ब) सूरदास

(स) बिहारी

(द) कबीरदास



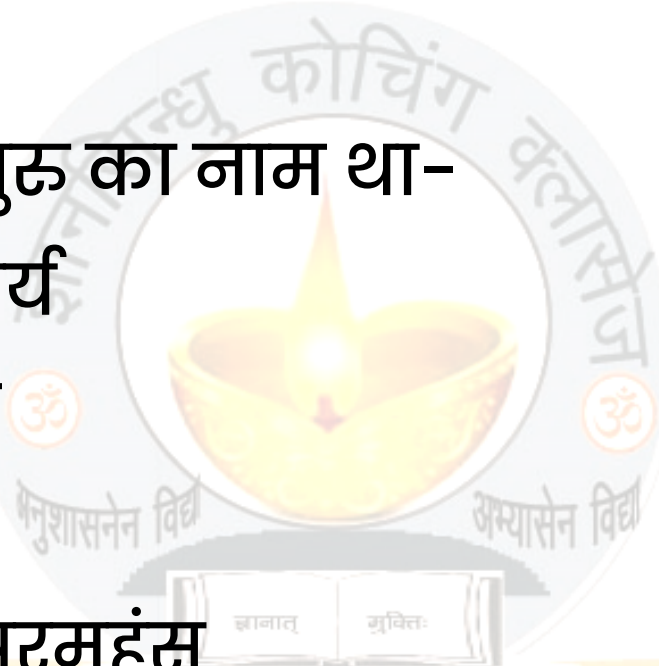
46. कबीर के गुरु का नाम था-

(अ) बल्लभाचार्य

(ब) नरहरिदास ॐ

(स) रामानन्द

(द) रामकृष्ण परमहंस



* || ज्ञानम् मनुष्यस्य तृतीय नेत्रम् || *

47. कबीर के दोहों को नाम से जाना जाता है-

(अ) दूहा

(ब) सवद

(स) साखी

(द) पदा



48. 'विद्यापति' कवि हैं-

(अ) भक्तिकाल के

(ब) रीतिकाल के

(स) आदिकाल के

(द) आधुनिककाल के।

* || ज्ञानम् मनुष्यस्य तृतीय नेत्रम् || *

49. 'कीर्तिलता' के रचनाकार हैं-

(अ) शारंगधर

(ब) दलपति

(स) जगनिक

(द) विद्यापति।



50. 'अष्टछाप' के कवि नहीं है-

(अ) परमानन्ददास

(ब) गोविन्द स्वामी

(स) ईश्वरदास

(द) नन्ददास।

